जगत में जिसका जगत पिता रखवाला भजन लिरिक्स

जगत में जिसका,
जगत पिता रखवाला।

दोहा – जाको राखे साइयां,
मार सके न कोई,
और बाल न बांका कर सके,
चाहे सब जग बैरी होय।

जगत में जिसका,
जगत पिता रखवाला,
उसे मारने वाला हमने,
उसे मारने वाला हमने,
कोई नहीं निहारा,
जगत मे जिसका,
जगत पिता रखवाला।bd।

एक शिकारी अपने घर से ले,
तीर कमान चला भाई,
दो पक्षी वध करने के लिए,
जंगल में जा पहुंचा भाई,
जब वृक्ष के ऊपर दृष्टि पड़ी,
दो पक्षी को देखा भाई,
थी एक बेचारी कबूतरी,
और एक कबूतर था भाई,
आपस में दोनों बैठे थे,
थी किसी तरह की परवाह नाही,
इन्हें देख शिकारी बेदर्दी,
भेजा अपना मन ललचाना,
और तीर निकाला तरकश से,
दे ध्यान जरा सुनते जाना,,
अब जरा ना उसने देरी करी,
और तीर सरासर पर ताना,
अब लगा निशाना बांध अधर्मी,,
अब लगा निशाना बांध अधर्मी,
महा नीच हत्यारा,
जगत मे जिसका,
जगत पिता रखवाला।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

नीचे यह ताने तीर खड़ा,
ऊपर को और गजब छाया,
एक बाज भयंकर बलकारी,
वो आसमान में मंडराया,
उड़ उड़ के चक्कर काट रहा,
करने को अपना मनचाहा,
जब वृक्ष के ऊपर दृष्टि पड़ी,
तो बाज प्रसन्न हुआ भारी,
उस समय झपट्टा मारने की,
उसने भी कर ली तैयारी,
उस समय झपट्टा मारने की,
उसने भी कर ली तैयारी,
अब ऊपर बाज शिकारी नीचे,
ऊपर बाज शिकारी नीचे,
हो रहे खुशी अपारा,
जगत मे जिसका,
जगत पिता रखवाला।bd।

इन्हें देख कबूतर कबूतरी,
दोनों का धीरज छूट गया,
नर से मादा यू कहती है,
हे नाथ विधाता रूठ गया,
उड़ जावे तो बाज झपट लेवे,
नीचे ये ताने तीर खड़ा,
इस वृक्ष पे बैठे बैठे ही,
जीवन का डोरा टूट पड़ा,
कहे कबूतर सुन मेरी प्यारी,
कहे कबूतर सुन मेरी प्यारी,
कहना सत्य तुम्हारा,
जगत मे जिसका,
जगत पिता रखवाला।bd।

दोनों ने निश्चय ठान ली भाई,
काल हमारे सिर छाया,
लेकिन कर्मों की रेखा का,
पार किसी ने नहीं पाया,
विकराल महाकाला जहरी,
एक सर्प कहीं से धरधाया,
और मार लपेटा पैरों में,
बेदर्द शिकारी डस खाया,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

आगे को क्या हुआ देखो,
वो एकदम से फिर उछल पड़ा,
आगे को क्या हुआ देखो,
चल गया गया तीर तिरछा उसदम,
उस बाज के जाए लगा देखो,
यह इधर पड़ा वो उधर पड़ा,
दोनों से पिंड छुड़ा देखो,
बच गए कबूतर कबूतरी,
यह ईश्वर की लीला देखो,
अब रूपराम शिवराम जगत में,
सदा प्रभु रखवाला,
जगत मे जिसका,
जगत पिता रखवाला।bd।

जगत में जिसका,
जगत पिता रखवाला,
उसे मारने वाला हमने,
उसे मारने वाला हमने,
कोई नहीं निहारा,
जगत मे जिसका,
जगत पिता रखवाला।bd।

गायक – श्री अमरचन्द जी सोनी।
प्रेषक – विशाल सोनी।
9928125586

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com